तर्ज--हाय शरमाऊं

हाय घबराऊं किस किसको बताऊं,ऐसे कैसे मैं सुनाऊ सबको
पिया की मेहरबानियां,धनी की मेहरबानियां

1--पहले बृज में है आये संग सखियों को लाये
योगमाया में जाकर अंखड रास रचाए
फिर हुई जुदाई सखियां घबराई
आकर दूर की हैरानियां

2--कहती नानक की वाणी ये है दूजी निशानी
पहने नीले वस्त्र बन गये तुर्क पठानी
अल्लाह कहां है अर्श जहां है
यह है कुरान में निशानियां

3--यह है तीजी निशानी अपने घर की कहानी
लाए तारतम की वाणी जो ब्रह्मसृष्टि ने जानी
ब्रह्म वही है खुदा वही है यह है उनकी निशानियां

Nijanand App